कुल पृष्ठ संख्या–32 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☐

विषय .... इतिहास ....

परीक्षा का दिन .... शुक्रवार ....

दिनांक .... 15-03-2019 ....

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ....

संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 165/2019

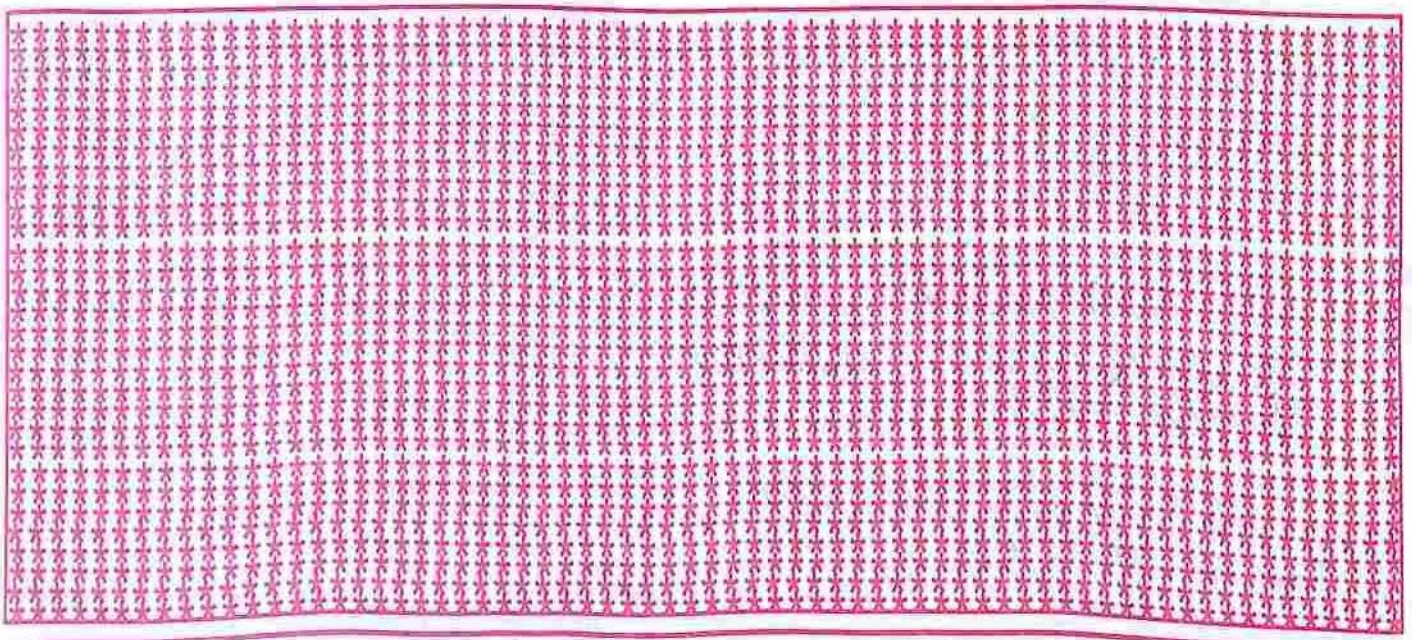

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोडकर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	Q.1 Ans.	~~ऋचाओं की संख्या~~ ऋग्वेद में 10 ~~मण्डल~~ हैं।
	Q.2 Ans.	बाणभट्ट द्वारा हर्षचरित लिखा गया था।
	Q.3 Ans.	57 ई. पू. विक्रमादित्य ने विक्रम संवत चलाया था।
	Q.4 Ans.	"मिलिन्दपन्हो" पाली भाषा ~~के~~ में लिखित है।
	Q.5 Ans.	गांधार कला की विषय वस्तु तो भारतीय है पर उसकी शैली यूनानी है। महात्मा बुद्ध की मूर्तियाँ यूनानी ढंग से बनाई गई थी जो रोमन के देवता अपोलो जैसी थी। इसलिए गांधार कला को संकर कृत्रिम कहते है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	Q6	
	Ans	चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कनिष्क ने कश्मीर के कुण्डल वन में किया था। इसका मुख्य उद्देश्य बौद्ध धर्म की सुरक्षा प्रदान करना तथा बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार करना था।
	Q7	
	Ans	पृथ्वीराज चौहान का राजकवि "चन्दबरदाई" था। जिसने 'पृथ्वीराज रासो' नामक महाकाव्य लिखा था। जो हिन्दी साहित्य का प्रथम महाकाव्य था।
	Q8	
	Ans	शिवाजी का जन्म 20 अप्रैल 1627 ई. को पुना की शिवनेर की पहाड़ी में शिवाजी का जन्म हुआ था।
	Q9	खानवा
	Ans	खानवा विजय के बाद बाबर ने 'गाजी' की उपाधि धारण की।

प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q10

Ans. विजय स्तम्भ का निर्माण महाराणा कुम्भा ने करवाया था। विजय स्तम्भ के अंत भाग पर विष्णु की प्रतिमा है अतः इसे विष्णु ध्वज भी कहा जाता है। विजय स्तम्भ में भारतीय देवी-देवताओं से सम्बन्धित प्रतिमाएँ विद्यमान है। अतः इसे भारतीय मूर्ति कला का 'विश्व कोष' कहा जाता है।

Q11

Ans. वेदांग साहित्य की रचना वैदिक साहित्य को ठीक तरह से समझने के लिए की गई है। इसके छः भाग है।

(i) शिक्षा (ii) कल्प (iii) व्याकरण
(iv) निरुक्त (v) छन्द (vi) ज्योतिष

Q12

Ans. पुराणों की संख्या 18 है। सबसे प्राचीन पुराण "मत्स्य" है

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.13
Ans (i) इंडिका → मेगस्थनीज

(ii) मृच्छकटिकम् → शूद्रक

(iii) पंचतंत्र → विष्णु शर्मा

(iv) राज तरंगिणी → कल्हण

Q.14
Ans. रुद्रदामन शक शासक रुद्रदामन ने संस्कृत को बढ़ावा दिया। रुद्रदामन के विद्वानों ने अपने साहित्यों की रचना संस्कृत भाषा में कि तथा उन्होंने जूनागढ़ अभिलेख संस्कृत भाषा में उत्कीर्ण करवाया था।

Q.15

Ans- जून माह की झुलसाने वाली गर्मी।

(2) मुगल सेना में अत्यधिक थकान।

(3) मुगलों का विचार था कि महाराणा प्रताप पहाड़ियों में घात लगाए हुए है जिससे उनके सैनिकों को डर था।

प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.16

Ans. तात्कालीक कारण =>

1856 मे भारतीय सैनिको को नई एनफिल्ड राईफल्स दी गई। जिसके ऊपरी भाग मे लगे कारतूस को मुँह से काटना पड़ता। जिस पर गाय एवं सुअर की चर्बी का प्रयोग किया गया था। गाय हिन्दुओं के लिए प्रसिद्ध थी तथा सुअर मुसलमानो के लिए महत्वपूर्ण था। उनके मन मे यह भाव आया की अंग्रेज हमारी संस्कृति को नष्ट करना चाहते है अतः यही तात्कालीक कारण था।

Q.17

Ans. (1) ~~असाम~~ मराठा

(2) केसरी

Q.18

Ans. विजय सिंह पथिक।

साधु सीताराम दास।

माणिक्य लाल वर्मा।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.19
Ans. ~~अ~~ सिन्धु सरस्वती सभ्यता में दोनों व्यापार उन्नत अवस्था में था। भारत के लोगों का अनेक देशों से व्यापारिक सम्बन्ध थे भारत से अनेक किमती ~~वस्तुएँ~~ वस्तुएँ रोम के लिए भेजी जाती थी।
इस समय में व्यापार बहुत उन्नत था। इस अवस्था में मुद्रा का चलन भी अधिक हुआ। भारत से व्यापारी हाथी दांत, मसाले, वस्त्र, आदि अनेक चीजे रोम व अन्य देशो निर्यात किया जाता था। तथा उन देशों सोने, चाँदी, एवं अनेक विलासिता की वस्तुए आती थी।

आन्तरिक व्यापार => एक ही देश के विभिन्न शेतो के बीच जो व्यापार होता था, उसे आंतरिक व्यापार कहते है। आन्ध्र देशों से सोने चांदी दूसरे राज्य को भेजे जाते थे।
विदेशी व्यापार => दूसरे देशों से व्यापार होता वह विदेशी व्यापार कहलाता था। भारत से अनेक चीजे व्यापार कि जाती थी।

प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q26

Ans. हर्षवर्धन ने 643 ई- में प्रयाग में महामोक्ष परिषद् का आयोजन करवाया था। इसमें 18 राजाओं ने भाग लिया तथा 5 लाख से अधिक व्यक्ति उपस्थित हुए थे। पहले दिन भगवान बुद्ध की मूर्ति की पूजा की गई और प्रचुर धन बहाया गया। दूसरे दिन सूर्य की पूजा की गई तथा तीसरे दिन भगवान शिव की पूजा की गई। चौथे दिन बौद्ध भिक्षुओं को दान दिया गया। पाँचवें दिन ब्राह्मण विद्वानों को दान दिया गया। जैन धर्म एवं उत्तम कर्म के अनुयायियों को 10 दिन तक दान दिया गया। तथा अगले एक महीने तक दीन-दुखियों को आर्थिक सहायता दी गई। यह सब 75 दिन तक चला। और हर्षवर्धन ने अपना सारा सिंचित धन दान कर दिया और अपनी बहिन राज्यश्री से पुराना वस्त्र मांगकर धारण किया था।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q21 Ans
कनिष्क बौद्ध धर्म का महान संरक्षक था। उसकी तुलना द्वितीय अशोक के रूप में कि गई थी।

(1) कनिष्क ने बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए विदेशों में बौद्ध विद्वानों को भेजा।

(2.) कनिष्क ने कश्मिर के कुण्डल में चतुर्थ बौद्ध संगिती का आयोजन करवाया। जिसका अध्यक्ष वसुमित्र व उपाध्यक्ष अश्वघोष को बनाया गया।

(3.) कनिष्क ने बौद्ध धर्म को राजाश्रय प्रदान किया। तथा उसके समय में ही बौद्ध धर्म हीनयान व महायान में विभक्त हो गया।

N) कनिष्क के दरबार में अनेक विद्वान रहते थे जिनमें से प्रमुख विद्वान अश्वघोष था। अश्व घोष ने चार ग्रन्थ लिखे- बुद्धचरित (2.) सुत्रालंकार (3.) सौन्दरानन्द महाकाव्य (4.) सारिपुत्र प्रकरण आदि उसके दरबार में नागार्जुन व वसुमित्र आदि अनेक विद्वान रहते थे।

प्राप्तांक / प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.22
Ans- (i) अलाउद्दीन खिलजी की साम्राज्य वादी महत्वकांक्षा => अलाउद्दीन खिलजी एक साम्राज्यवादी महत्वकांक्षी व्यक्ति था। वह अपने साम्राज्य को बढ़ाना चाहता था।

(2.) रणथम्भौर दिल्ली के काफी निकट था => रणथम्भौर दिल्ली के काफी निकट था। वह उसकी शक्ति को बढ़ना नहीं देख सकता था।

(3.) पराजय का बदला => अलाउद्दीन खिलजी अपने चाचा जलालुद्दीन खिलजी की पराजय का बदला लेना चाहता था।

(4.) रणथम्भौर का सामरिक दृष्टी से महत्व => रणथम्भौर सामरिक दृष्टी से भी महत्वपूर्ण था। अलाउद्दीन खिलजी रणथम्भौर पर अधिकार करना चाहता है।

और 11 जुलाई 1301 ई० को अलाउद्दीन खिलजी ने रणथम्भौर पर अधिकार कर लिया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.24

Ans. बक्सर का युद्ध =>

बक्सर का युद्ध 22 अक्टूम्बर 1764 ई. को अंग्रेजो व बंगाल के नवाब सिराजुदौला, अवध के नवाब मीरकासीम व मुगल सम्राट शाह आलम की सम्मिलित सेनाओं के बीच हुआ। इसमें अंग्रेजों की वीजय हुई।

(1) बक्सर की विजय के बाद बंगाल पर अंग्रेजों का पुर्ण अधिकार हो गया।

(2) इस युद्ध ने प्लासी का अधुरा काम पुरा किया

3) अंग्रेजों का रास्ता खुल गया। तथा अंग्रेज भारत में पूर्ण रूप से स्थिगत हो गये।

(iv) अंग्रेजों का दिल्ली व अवध पर अधिकार हो गया

(v) अंग्रेजों ने प्लासी के अधुरे काम को पुरा कर दिया।

प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

Q.26

Ans. बिजोलिया किसान आन्दोलन से प्रेरित होकर सीकर के किसानों ने भी आन्दोलन कर दिया। अंग्रेज भारतीय किसान से अधिक कर वसूल करते थे। उनसे बेगार लिया जाता है।

(1) भारतीय किसानों पर अंग्रेज अधिकारी अत्यधिक शोषण करते थे।

(2) भारतीय किसानों से अधिक लगान व अत्यधिक कर वसूल करते थे।

(3) भारतीय किसानों पर पुजीपति व पादरी लोग पर आर्थिक शोषण करते थे।

(4) किसानों की फसले नष्ट हो जाने पर भी उनसे कर लिया जाता है तथा उन पर अनेक प्रकार के कर लगाए दिये गए।

(5) इस अनेक लोगों ने किसानों को प्रेरित कर सरकार के विरुद्ध आन्दोलन कर दिया जिसे सीकर आन्दो

(6)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q5

Ans राजस्थान में राजनीति चेतना में समाचार पत्रों व साहित्य का मुख्य योगदान था। नविन समाचार, प्रताप, केसरी, मराठा समाचार पत्रों के माध्यम से लोगों में राजनीतिक चेतना का विकास किया। इन समाचार पत्रों में राजनीति से सम्बन्धित, तथा क्रांतीकारी विचारों को लोगों तक पहुँचाया और उनको अंग्रेजो के विरुद्ध क्रांति करने पर उकसाया। इस आधार पर समाचार पत्रों ने सामान्य लोगो को क्रान्ती के विचार से प्रेरणा मिली और लोगों ने अंग्रेजों के विरुद्ध क्रान्ती करदी थी। सबसे पहले क्रांती नासीराबाद से शुरु हो गई।

क्रान्ती में साहित्य का भी मुख्य योगदान है दयानन्द सरस्वती, विजय सिंह पाथिक ने अपने साहित्यों के माध्यम से क्रान्ती का संदेश दिया। तथा उनका प्रकाशन शुरु किया और उन किताबों को मध्यम वर्ग के लोगों तक पहुँचाया। इस प्रकार समाचार पत्रों एवं साहित्य का राजस्थान की क्रांती में विशेष योगदान रहा।

प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.25
Ans.
स्वामी विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी 1863 ई. मे हुआ था। उनके गुरू रामकृष्ण परमहंस थे। उनसे प्रेरित होकर उन्होने राष्ट्रीय आन्दोलन में भाग लिया। इन्होने अपने गुरू के नाम पर 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की। 5 मई 1897 ई. मे वेलूर मे उन्होने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की। उन्होने शिकागो विश्व धर्म सम्मेलन मे भाग लिया और प्रसिद्ध भाषण दिया। स्वामी विवेकानन्द का विचार था कि हमे लोगो के हित मे काम करना चाहिए तथा परोपकार की भावना रखनी चाहिए। स्वामी विवेकानन्द का ध्येय वाक्य था- नर सेवा नारायण सेवा उन्होने इस सम्बन्ध मे कहा कि जो नर यानी मानव की सहायता वह नारायण के समान होता है। और उन्होने ने कहा। तब तक विश्राम मत करो जब तक कि लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।' और उन्होने कहा की समय आने पर राष्ट्र की सेवा करो ये सब बाते आज भी वर्तमान समय में प्रासंगिक है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q.28

Ans. अशोक का धम्म => अशोक ने द्वितीय स्तम्भ लेख धम्म की परिभाषा दी ~~देते हुए कहा कि~~ विभिन्न वर्गों, धर्मों एवं जातियों को एक सूत्र में बांधने तथा उनके कल्याण के लिए जो आचार संहिता प्रस्तुत की वह धम्म कहलाता है।

धम्म के सिद्धान्त =>

(i) अहिंसा => ~~धर्म~~ अशोक का धम्म अहिंसा पर बल देता था। उनका मानना था कि हमें मन, वचन, कर्म से किसी को भी सताना नहीं चाहिए

(ii) सहिष्णुता => अशोक का धम्म सहिष्णुता पर बल देता था।

(3.) कल्याण कारिता => अशोक का धर्म कल्याण पर आधारित था। उन्होंने अपनी प्रजा के लिए नदी, तालाब, कुँए, बावड़ी, सरायों का निर्माण करवाया।

Sl.No. : 019563

नामांक Roll No.

2	9	4	8	2	3	7

SS–13–Hist.

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2019

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2019

HISTORY

इतिहास

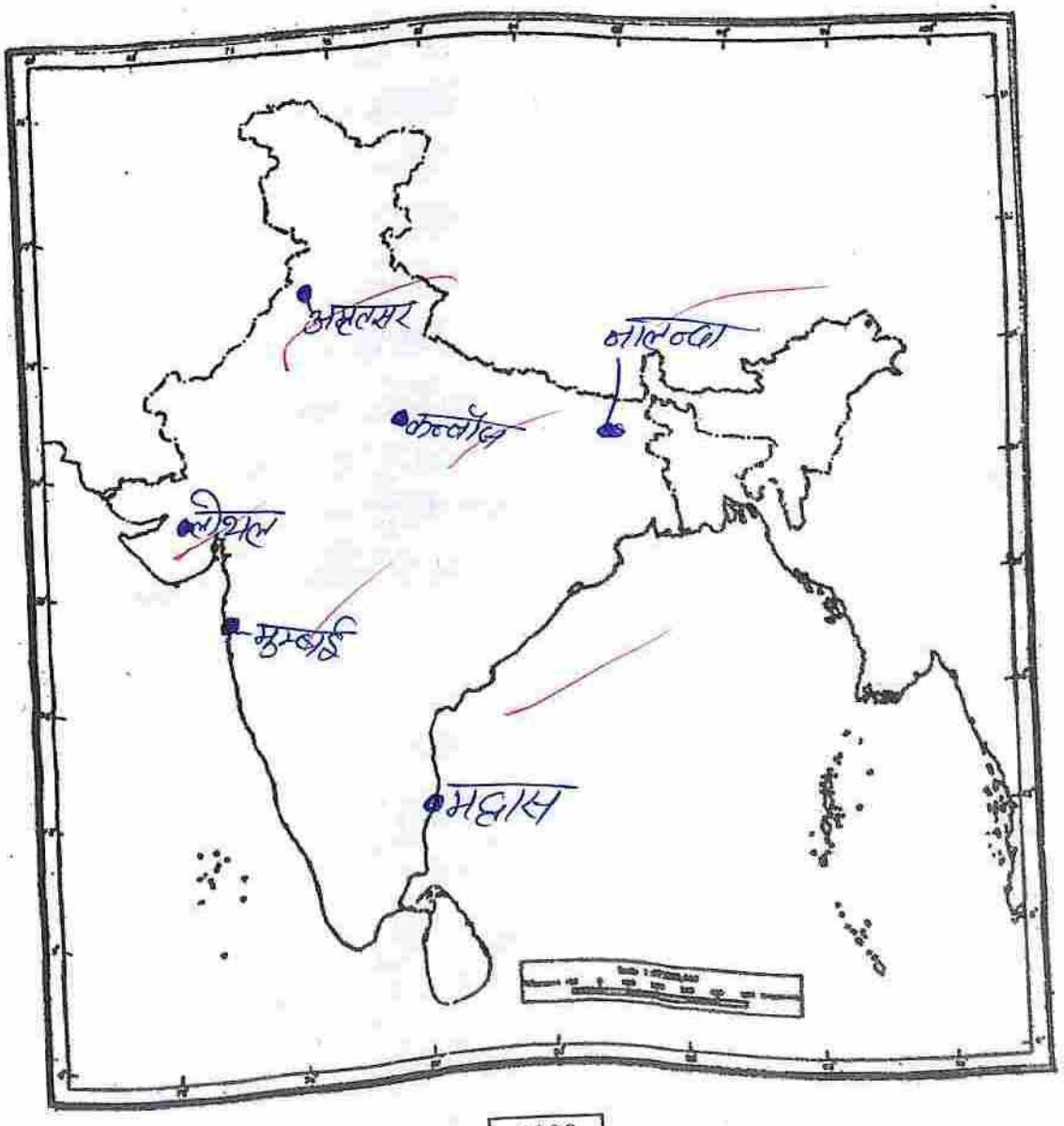

1308

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) आडम्बर ⇒
अशोक ने मूर्ति पूजा का विरोध किया तथा मन में विश्वास रखने को कहा गया।

(v) नैतिक आचरण ⇒
अशोक ने श्रेष्ठ, नैतिक, आचरण पर बल दिया

कल्याणकारी अवधारणा ⇒
अशोक ने युद्ध नीति का परित्याग किया तथा लोगों के हित के ऊपर ध्यान दिया। अशोक ने अपनी प्रजा के लिए नदी, तलाब, कुऐं, बावड़ी, सरायों का निर्माण करवाया। तथा वृक्षारोपण करवाया। अशोक ने अपने अधिकारियों को तत्काल न्याय देने का आदेश दिया। उन्होंने अनेक अधिकारी भी नियुक्त किए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Q29
Ans (i) बंगाल विभाजन =>

16 अक्टूबर 1905 को अंग्रेजों ने बंगाल का विभाजन किया
विभाजन के कारण =>

(i) बंगाल क्रान्तिकारियों का केन्द्र बनता जा रहा था। बंगाल का मुख्य केन्द्र था।

(2.) भारतीयों की बढ़ती हुई कला व

(3.) क्रान्ती के विकास में होने के कारण, अंग्रेजों ने हिन्दु और मुसलमानों में फूट डालो और राज करो की नीति अपनाई। इस आधार पर अंग्रेजो ने शासन करने के लिए 16 अक्टूबर 1905 में बंगाल विभाजन लागू कर दिया। और बंगाल दो भागों में बंट गया - (1) पूर्वी बंगाल (2) बंगाल

(b.) सुभाष चन्द्र बोस =>

सुभाष चन्द्र बोस ने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में विशेष योगदान दिया। उन्होंने 'दिल्ली चलो' का नारा दिया, तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा, जय हिंद

प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

आदि सुप्रसिद्ध नारे दिए।

(ख) ~~केबीनेट मिशन =>~~

Q.23
Ans. 1779 ई. में बड़गाँव की सन्धी हुई। यह ~~अंग्रेजों~~ के लिए एक अपमान जनक संधि थी। अंग्रेजो अंग्रेजो को हथामुक्त व्यापार से वंचित कर दिया। तथा उनके व्यापार पर सीमा का अधिकार लगा दिया। अंग्रेज भारत पर प्रभुत्व जमाना चाहते थे। परन्तु इस संधि के दौरान अंग्रेजों की विरुद्ध अनेक रूट बनाए गए। भारत मे उनका प्रभुत्व कम कर दिया गया। अंग्रेजो को सलामी देना बंद कर दिया गया। अंग्रेजों के विरुद्ध अनेक आन्दोलन कर दिए गए।

(समाप्त)

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

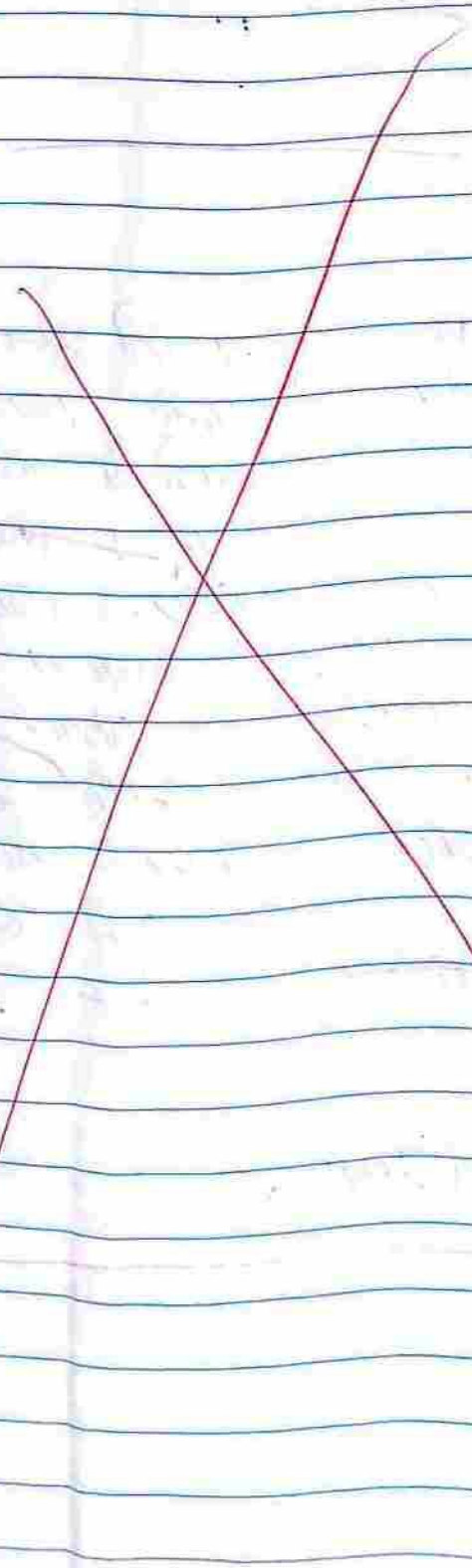

प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

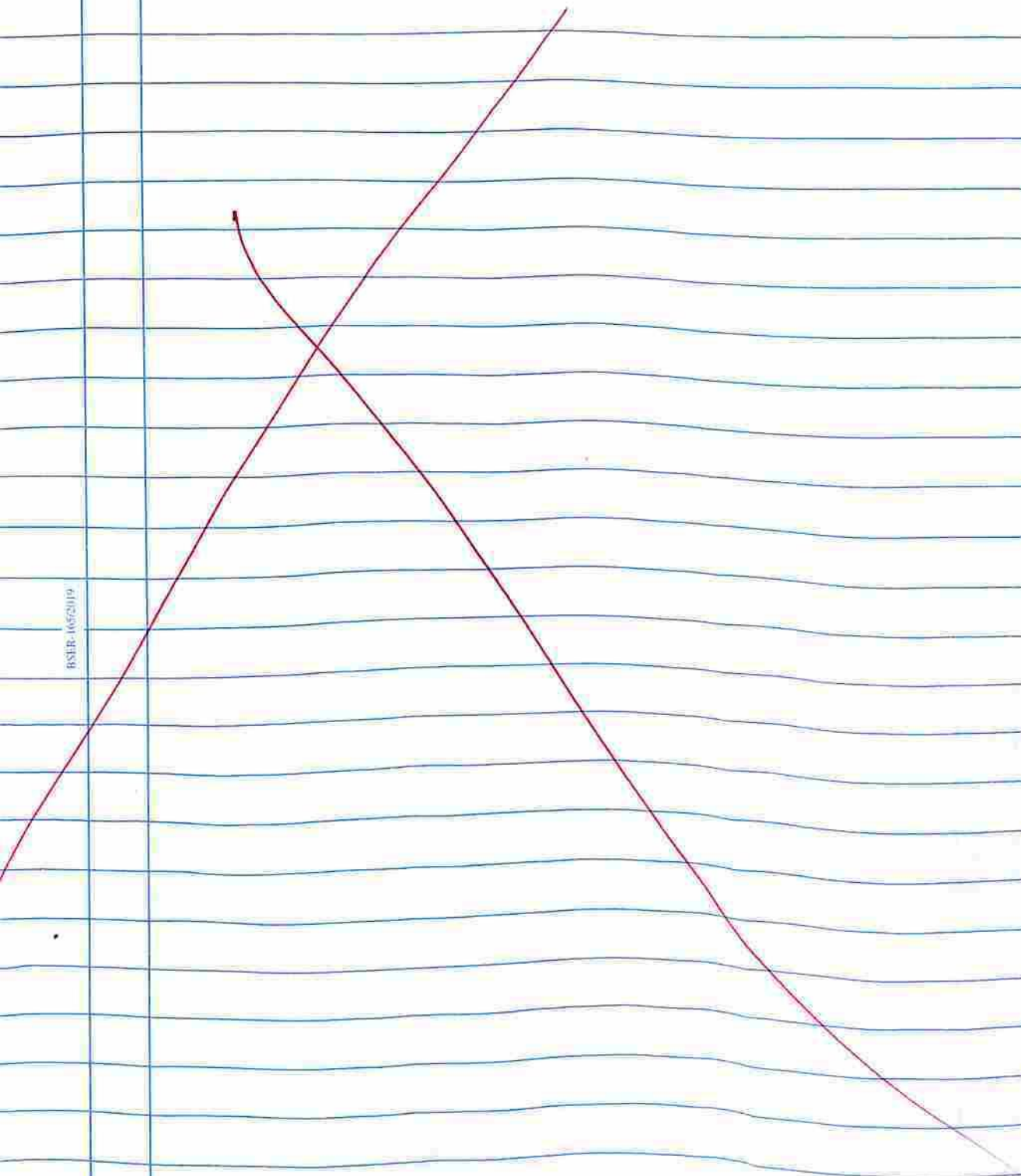

BSER-16/2019